संवर्णा समिति

प्रभारी – श्रीमती निर्मला बाहेती, इन्दौर

संयोजिका : श्रीमती सुमित्रा काबरा, कोलकाता, श्रीमती कमला मून्दड़ा जोधपुर, श्रीमती रजनी हुरकट, अलीगढ़ श्रीमती ज्योति बाहेती, अकोला, श्रीमती सुशीला गांधी अमरावती, श्रीमती प्रीति तोषनीवाल कानपुर

समिति वृतांत

पश्चिमी मध्यप्रदेश इन्दौर में निःशुल्क चार जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया, जिसमें आने वाले मेहमानों को निःशुल्क आवास व्यवस्था, निःशुल्क भोजन व्यवस्था दी गई एवं गृहस्थी के समस्त सामान रजत एवं स्वर्ण आभूषणों के साथ प्रदान कराए और उनसे कोई भी रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं लिया गया। खण्डवा में एक कन्या का एवं पश्चिमी उत्तरप्रदेश में तीन निर्धन कन्याओं का कन्यादान, बीकानेर एवं सूरत महिला संगठन द्वारा 1–1 कन्या का विवाह एवं उत्तरी राजस्थान द्वारा 2 कन्याओं का विवाह करवाया गया, जिसमें नवविवाहित दम्पति को गृहस्थी का सभी सामान दिया गया। झारखंड, बिहार प्रदेश में गरीब कन्या के विवाह में आर्थिक सहयोग, मध्य उत्तरप्रदेश में गरीब कन्या के विवाह में सहयोग, दक्षिण राजस्थान में 12 जोड़ों को लंहगा–चुन्नी, नाक का कांटा, बिछिया व घरेलू सामान दिया गया। दक्षिणांचल महाराष्ट्र में ओरंगाबाद में 28 अप्रैल को 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है एवं जलगांव, बीड़ में सामूहिक विवाह की तैयारियों में सहयोग।

बायोडेटा संकलन का भी कार्य किया जा रहा है। गुजरात प्रदेश द्वारा सातफेरे नाम से वाट्सएप ग्रुप बनाया एवं 200 से भी ज्यादा बायोडेटा का आदान–प्रदान हो रहे हैं एवं संबंध भी हो रहे हैं। मध्य मध्यप्रदेश एवं पश्चिमी मध्यप्रदेश में भी वाट्सएप ग्रुप बनाये हैं। राजस्थान में शुभ मिलन नाम से वाट्सएप ग्रुप बनाया है, जिसके माध्यम से 4–5 संबंध भी हो गए हैं। मुंबई में भी बायोडेटा का आदान–प्रदान वाट्सएप ग्रुप द्वारा हो रहा है एवं पश्चिमी उत्तप्रदेश में बायोडेटा एकत्रित हो रहे हैं। झारखंड, बिहार, मध्य उत्तरप्रदेश, दक्षिण राजस्थान, दक्षिणांचल महाराष्ट्र में भी वाट्सएप ग्रुप बनाए गए। कोलकत्ता प्रदेश में 25 लोगों के विवाह संबंध करवाए। दक्षिणा राजस्थान प्रदेश में चित्तोड़गढ़ मे परिचय सम्मेलन में सक्रिय भागीदारी रही।

2 जून को अलीगढ़ में परिचय सम्मेलन होने जा रहा है।

गुजरात के सूरत में विमलाजी साबू के नेतृत्व में काउन्सलिंग सेंटर एवं पश्चिम मध्यप्रदेश के इन्दौर, उज्जैन, नागदा में सौ. गीताजी मूंदड़ा के नेतृत्व में काउंसलिंग सेंटर का गठन किया गया।